जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

शिक्षाशास्त्र संकाय

NEP 2020 के अनुसार 2 वर्षीय स्नात्तकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम

(2 Year PG Course Structure as per NEP-2020)

M.A. (शिक्षा) प्रथम वर्ष

सत्र-2023-24

शिक्षा विभाग

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्राम-मदाऊ, पोस्ट-भांकरोटा, जयपुर-302026

M.A. (शिक्षा) प्रथम वर्ष-2023-24

शिक्षा के दार्शनिक आधार

प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक:-70+30=100

पाठ्यक्रम के उद्देश्य-

- ❖ छात्र दर्शन का अर्थ एवं शिक्षा में सम्बन्ध की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ❖ शिक्षा दर्शन के विविध उपागमों को पहचान सकेंगे।
- ❖ पाश्चात्य एवं भारतीय दार्शनिको के शिक्षा में योगदान की जानकारी कर सकेंगे।
- ❖ शिक्षा की समस्याओं और इनके समाधान को समझ सकेंगे।
- ❖ शिक्षा दर्शन का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध ज्ञात कर सकेंगे।

इकाई:-1

1. दर्शन का अर्थ, अवधारणा, एवं प्रकृति
2. शिक्षा दर्शन का अर्थ, परिभाषा, शिक्षा और दर्शन का सम्बन्ध, क्षेत्र।
3. शिक्षा दर्शन की आवश्यकता, लक्ष्य एवं कार्य।
4. शिक्षा दर्शन के विविध उपागम।

इकाई:-2

1. शिक्षा दर्शन के पाश्चात्य दार्शनिक– अरस्तु, देकार्ते, प्लेटो के अनुसार पाठ्यक्रम, विद्यालय व विद्यार्थी।

इकाई:-3

1. शिक्षा दर्शन के भारतीय दार्शनिक– अरविन्द घोष, रविन्द्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानन्द, शिक्षक शिक्षार्थी सम्बन्ध, अनुशासन, पाठ्यक्रम एवं शिक्षण विधियाँ।

इकाई: 4

1. प्रयोजनवाद, यथार्थवाद, अस्तित्ववाद- अर्थ, उद्देश्य, अनुशासन, पाठ्यचर्या तथा शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई:-5

1. शिक्षा दर्शन की सम्भावनाएँ, शिक्षा की समस्याएँ एवं समाधान (वर्तमान भारतीय परिप्रेक्ष्य में)।

आन्तरिक मूल्यांकन- 30 अंक

1. विभिन्न शिक्षा दार्शनिकों के अनुसार पाठ्यक्रम पर प्रतिवेदन तैयार करना।
2. भारतीय शिक्षा की समस्याएँ एवं समाधान पर प्रतिवेदन तैयार करना।

सन्दर्भ ग्रन्थसूची-

1. पाण्डेय राम शकल, शिक्षा की दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय पृष्टभूमि, अग्रवाल पब्लिकेशन्स आगरा।
2. शर्मा, डॉ. माताप्रसाद, शिक्षा सिद्धान्त एवं आधुनिक भारत में शिक्षा, श्री कविता प्रकाशन, जयपुर।
3. सिंह डॉ. एम के, शिक्षा के दार्शिक व सामाजिक आधार, इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ।
4. रुहेला प्रो. एस पी, शिक्षा के दार्शनिक व साजशास्त्रीय आधार, इन्टनेशनल पब्लिकेशन्स आगरा।

M.A. (शिक्षा) प्रथम वर्ष-2023-24

शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार

द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णांकः- 70+30=100

इकाईः- 1

1. शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ, अवधारणा, प्रकृति।
2. शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र एवं उपयोगिता।
3. मनोविज्ञान की विधियाँ (निरीक्षण, व्यक्ति अध्ययन विधि, साक्षात्कार, प्रयोगात्मक विधि)
4. मनोविज्ञान के सम्प्रदाय।

इकाईः- 2

1. विकास का अर्थ एवं प्रभावित करने वाले कारक (आनुवांशिक, जैविक, सामाजिक)
2. बालक का शारीरिक विकास-अर्थ एवं विशेषताएँ।
3. बालक का ज्ञानात्मक विकास।
4. सामाजिक विकास- अर्थ, प्रकिया, प्रभावित करने वाले कारक (परिवार, विद्यालय व समाज के सन्दर्भ में)

इकाईः- 3

1. अधिगम का सम्प्रत्यय एवं प्रकार।
2. अधिगम के सिद्धान्त।
3. अधिगम का स्थानान्तरण।
4. स्मृति एवं विस्मृति।

इकाईः- 4

1. व्यक्तित्व का अर्थ, प्रकार, विशेषताएँ।
2. व्यक्तित्व मापन की विधियाँ।
3. व्यक्तिगत विभिन्नताएँ।

इकाईः- 5

1. बुद्धिः-अवधारणा तथा सिद्धान्त।
2. सृजनात्मकता।
3. समायोजन।

4. अभिरुचि।

आन्तरिक मूल्यांकन- 30 अंक

1. एक संवेगात्मक अस्थिर बालक का अध्ययन।
2. बुद्धि, व्यक्तित्व, अभिरूचि से सम्बन्धित परीक्षणों का प्रयोग।

सन्दर्भ ग्रन्थसूची-

1. सिंह, अरुण कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन आगरा।
2. शर्मा, आर.ए., शिक्षा अधिगम में नवीन प्रवर्तन, आर लाल बुक डिपो मेरठ।
3. श्रीवास्तव, डी. एन., आधुनिक प्रयोगात्मक मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।
4. सिंह, अरूण कुमार, उच्चतर सामान्य मनोविज्ञान, मोती लाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
5. सिंह, अरूण कुमार (२०००) मनोविज्ञान के सम्प्रदाय एवं इतिहास, मोती लाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
6. सिंह, डॉ. वृन्दा (२०१७) बाल विकास, पंचशील प्रकाशन जयपुर।

M.A. (शिक्षा) प्रथम वर्ष-2023-24

शिक्षण एवं शैक्षिक तकनीकी

तृतीय प्रश्न पत्र

पूर्णांकः- 70+30=100

इकाईः- 1

1. शैक्षिक तकनीकी का अर्थ, अवधारणा, प्रकृति एवं क्षेत्र।
2. प्रणाली उपागम।
3. आधुनिक शैक्षिक प्रवृत्तियाँ।
4. ई:अधिगमः-अर्थ, उपयोगिता।

इकाईः- 2

1. अभिक्रमित अनुदेशनः- संकल्पना, सिद्धान्त, प्रकार एवं शैक्षिक उपयोगिता।
2. कम्प्यूटर सहायक अनुदेशनः- अवधारणा एवं क्षेत्र।
3. शिक्षण प्रतिमान

इकाईः- 3

1. शिक्षण की व्यूह रचनाएं।
2. शिक्षणव्यवस्था एवं कक्षा अन्तःक्रिया।
3. सम्प्रेषणः-अर्थ, प्रकार एवं सिद्धान्त।

इकाईः- 4

1. दूरस्थ शिक्षा में मुद्रित सामग्री, स्व-आधारित सामग्री।
2. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
3. कम्प्यूटर नेटवर्किंग माध्यम का शिक्षा में प्रयोग

इकाईः- 5

1. शिक्षण नीति, शिक्षकों का व्यावसायिक विकास।
2. विद्यालय प्रबन्धनः- अर्थ, विशेषताएं एवं सिद्धान्त।
3. नवीन कक्षा-कक्ष प्रतिबद्धता, एनसीएफ-2005, एनसीएफ-2023

आन्तरिक मूल्यांकन- 30 अंक

1. विद्यालय पर प्रतिवेदन तैयार करना।

2. किसी एक शिक्षण बिन्दु पर पीपीटी (Power point Presentation) तैयार करना।

सन्दर्भग्रन्थसूची-

1. भटनागर, ए.बी.शैक्षिक तकनीकी एवं प्रबन्धन, आर लाल बुक डिपो, मेरठ।
2. शर्मा आर ए., सूचना संप्रेषण एवं शैक्षिक तकनीकी, आर लाल बुक डिपो, मेरठ।
3. पाठक आर पी., शैक्षिक प्रौद्योगिकी के आयाम, राधा प्रकाशन, दिल्ली।
4. पाण्डेय के पी., अभिक्रमित अधिगम की टेक्नोलॉजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
5. पाठक ललित प्रसाद, शैक्षिक तकनीकी के आयाम, विकास पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली।

M.A. (शिक्षा) प्रथम वर्ष-2023-24

शिक्षा नीतियाँ एवं समसामयिक शैक्षिक समस्याएँ

चतुर्थ प्रश्न पत्र

पूर्णांकः-70+30=100

उद्देश्यः-

- ❖ भारतीय एवं वैश्विक शिक्षा नीतियों का अध्ययन कर पायेंगे।
- ❖ भारत की वर्तमान शैक्षिक समस्याओं के बारे में जान पायेंगे।
- ❖ भारत की समृद्ध शैक्षिक प्रणाली का अध्ययन कर पायेंगे।
- ❖ विश्व के प्रमुख शिक्षाशास्त्रियों के बारे में जान पायेंगे।
- ❖ शैक्षिक पाठ्यक्रम के निर्माण के सिद्धान्तों का अध्ययन कर पायेंगे।

इकाईः- 1

1. मूल्यों पर संवैधानिक प्रावधानों का प्रभाव।
2. राष्ट्रनीतियों में शिक्षा का स्थान।
3. बहुलतावादी संस्कृति लैंगिक समानता का शिक्षा के साथ सम्बन्ध।
4. राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा।

इकाईः- 2

1. स्वतन्त्रता पूर्व की शैक्षिक नीतियाँ।
2. 1947 ई. से वर्तमान तक की शैक्षिक नीतियाँ।
3. महिला सशक्तिकरण और शिक्षा, लिंग संवेदी अध्यापन अधिगम प्रक्रिया

इकाईः- 3

1. वर्तमान शैक्षिक समस्याएँ एवं समाधान।
2. वैश्विक स्तर की शैक्षिक समस्याएँ एवं निर्देशन।
3. भारत में सामाजिक परिवर्तन (विज्ञान तकनीकी एवं समाज के सन्दर्भ में)

इकाईः- 4

1. शैक्षिक पर्यवेक्षण।
2. शैक्षिक प्रबन्धन के नवाचार।
3. अनुदेशन एवं प्रशासनिक विकास (विद्यालय महाविद्यालय के विशेष सन्दर्भ में)

इकाईः-5

1. विभिन्न पाठ्यचर्या मूल्यांकन के प्रतिमान, पाठ्यचर्या विकास के मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ।
2. निर्देशन एवं परामर्श में नवीन प्रवृत्तियाँ।
3. व्यावसायिक निर्देशन।

आन्तरिक मूल्यांकन- 30 अंक

1. विभिन्न शिक्षा नीतियों पर प्रतिवेदन तैयार करना।
2. शैक्षिक नवाचार पर प्रोजेक्ट प्रतिवेदन तैयार करना।

सन्दर्भ ग्रन्थसूचीः-

1. पचौरी डॉ गिरिश, पचौरी रितु, बढ़ते भारतीय समाज में शिक्षक की भूमिका, आर लाल बुक डिपो, मेरठ।
2. पाण्डेय डॉ रामशकल, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि. अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
3. सक्सेना एन आर स्वरूप, शिक्षा सिद्धान्त, आर लाल बुक डिपो, मेरठ।
4. पाठक आर पी एवं चौधरी रजनी जोशी, शिक्षा सिद्धान्त, कानिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. पाठक पी डी, शिक्षा के सामान्य सिद्धान्त, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।